License Information

Translation Questions (unfoldingWord) (Hindi) is based on: unfoldingWord® Translation Questions, unfoldingWord, 2022, which is licensed under a CC BY-SA 4.0 license.

This PDF version is provided under the same license.

Translation Questions (unfoldingWord)

2 कुरिन्थियों 1:1

इस पत्री को किसने लिखा है?

इस पत्री को पौलुस और तीमुथियुस ने लिखा।

2 कुरिन्थियों 1:1 (#2)

यह पत्री किसे लिखी गई?

यह पत्री परमेश्वर की उस कलीसिया के नाम जो कुरिन्थुस में है, और सारे अखाया के सब पवित्र लोगों के नाम लिखी गई।

2 कुरिन्थियों 1:3

पौलुस परमेश्वर का वर्णन कैसे करता है?

पौलुस परमेश्वर का वर्णन हमारे प्रभु यीशु मसीह के पिता, दया का पिता, और सब प्रकार की शांति के परमेश्वर के रूप में करता है।

2 कुरिन्थियों 1:4

परमेश्वर हमारे क्लेशों में शांति क्यों देता है?

वह शान्ति देता है; ताकि हम उस शान्ति के कारण जो परमेश्वर हमें देता है, उन्हें भी शान्ति दे सकें, जो किसी प्रकार के क्लेश में हों।

2 कुरिन्थियों 1:8–9

पौलुस और उसके साथियों पर आसिया में किस प्रकार का क्लेश पड़ा?

वे ऐसे भारी बोझ से दब गए थे, जो उनकी सामर्थ्य से बाहर था, यहाँ तक कि वे जीवन से भी हाथ धो बैठे थे।

2 कुरिन्थियों 1:9

पौलुस और उसके साथियों पर मृत्यु की सजा ने किस बात के लिए प्रेरित किया?

मृत्यु की सजा ने उन्हें अपने ऊपर भरोसा न रखकर, परमेश्वर पर भरोसा रखने के लिए प्रेरित किया।

2 कुरिन्थियों 1:11

पौलुस ने कुरिन्थ की कलीसिया को कैसे उनकी सहायता करने के लिए कहा?

पौलुस ने कहा कि कुरिन्थ की कलीसिया मिलकर प्रार्थना के द्वारा उनकी सहायता कर सकती है।

2 कुरिन्थियों 1:12

पौलुस ने किस बात पर कहा कि उसे और उसके साथी को घमण्ड है?

वे अपने विवेक की इस गवाही पर घमण्ड करते हैं, कि जगत में और विशेष करके कुरिन्थियों के बीच उनका चरित्र परमेश्वर के योग्य ऐसी पवित्रता और सच्चाई सहित था, जो शारीरिक ज्ञान से नहीं, परन्तु परमेश्वर के अनुग्रह के साथ था।

2 कुरिन्थियों 1:14

पौलुस को किस बात का विश्वास था, जो हमारे प्रभु यीशु के दिन होगी?

उसे विश्वास था कि उस दिन पौलुस और उनके साथी कुरिन्थ के पवित्र लोगों के लिए घमण्ड का कारण ठहरेंगे।

2 कुरिन्थियों 1:15

पौलुस ने कुरिन्थ के पवित्र लोगों से मिलने की कितनी बार योजना बनाई थी?

वह उनसे दो बार मिलने की योजना बना रहा था।

2 कुरिन्थियों 1:22

वह क्या कारण है कि परमेश्वर ने हमारे मनों में आत्मा दिया?

उसने यह आत्मा बयाने के रूप में दिया है, जो वह बाद में हमें देगा।

2 कुरिन्थियों 1:23

पौलुस कुरिन्थुस क्यों नहीं आया?

वह अब तक कुरिन्थुस नहीं आया क्योंकि उसे उन पर तरस आता था।

2 कुरिन्थियों 1:24

पौलुस के अनुसार, पौलुस और तीमुथियुस कुरिन्थ की कलीसिया के साथ क्या कर रहे थे और क्या नहीं कर रहे थे?

पौलुस के अनुसार, वे विश्वास के विषय में उन पर प्रभुता नहीं जता रहे थे, परन्तु वे कुरिन्थ की कलीसिया के साथ उनके आनंद में सहायता कर रहे थे।

2 कुरिन्थियों 2:1

कुरिन्थुस की कलीसिया में न आकर पौलुस किन परिस्थितियों से बचने की कोशिश कर रहा था?

पौलुस उदास होकर कुरिन्थुस की कलीसिया में नहीं आना चाहता था।

2 कुरिन्थियों 2:3

पौलुस ने कुरिन्थ की कलीसिया को अपने पिछले पत्र में जो लिखा, वह क्यों लिखा?

उसने ऐसा इसलिए लिखा ताकि उसके आने पर जिनसे उसे आनंद मिलना चाहिए उनसे उदास हो जाए।

2 कुरिन्थियों 2:4

जब पौलुस ने पहले कुरिन्थियों को लिखा, तब उसके मन की स्थिति कैसी थी?

वह बड़े क्लेश और मन के कष्ट में था।

2 कुरिन्थियों 2:4 (#2)

पौलुस ने कुरिन्थ की कलीसिया को यह पत्र क्यों लिखा?

उसने उन्हें लिखा ताकि वे पौलुस के उस बड़े प्रेम को जान सकें जो उसे उनसे था।

2 कुरिन्थियों 2:6–7

पौलुस ने कुरिन्थ के पवित्र लोगों से उस व्यक्ति के लिए क्या करने के लिए कहा जिसे उन्होंने दण्ड दिया?

पौलुस ने कहा कि उन्हें अब उस व्यक्ति के अपराध को क्षमा करना चाहिए और उसे शांति देनी चाहिए।

2 कुरिन्थियों 2:7

पौलुस ने क्यों कहा कि कुरिन्थ वासियों को उस व्यक्ति को क्षमा करना और शान्ति देनी चाहिए जिसे उन्होंने दण्डित किया था?

यह इसलिए था ताकि जिसे उन्होंने दण्डित किया था वह उदासी में न डूब जाए।

2 कुरिन्थियों 2:9

पौलुस का कुरिन्थियों की कलीसिया को लिखने का एक और कारण क्या था?

पौलुस ने उन्हें परखने और यह जानने के लिए लिखा कि क्या वे सब बातों को मानने के लिए तैयार हैं कि नहीं।

2 कुरिन्थियों 2:11

यह क्यों महत्वपूर्ण था कि कुरिन्थियों की कलीसिया यह जाने कि जिसे भी उन्होंने क्षमा किया है, उसे पौलुस ने भी मसीह की उपस्थिति में क्षमा किया है?

यह इसलिए था ताकि शैतान का उन पर दाँव न चले।

2 कुरिन्थियों 2:13

जब पौलुस त्रोआस में गया, तो उसके मन में चैन क्यों न था?

उनके मन में चैन न मिला क्योंकि उसने अपने भाई तीतुस को नहीं पाया।

2 कुरिन्थियों 2:14–15

परमेश्वर ने पौलुस और उसके साथियों के द्वारा क्या कार्य किया?

परमेश्वर पौलुस और उसके साथियों के द्वारा मसीह के ज्ञान की मधुर सुगंध हर जगह फैलाता है।

2 कुरिन्थियों 2:17

पौलुस ने यह कैसे कहा कि वह और उसके साथी उन कई लोगों से अलग थे जो परमेश्वर के वचन में मिलावट करते थे?

पौलुस और उसके साथी इस मायने में अलग थे क्योंकि वे मन की सच्चाई से, और परमेश्वर की ओर से परमेश्वर को उपस्थित जानकर मसीह में बोलते थे।

2 कुरिन्थियों 3:2

पौलुस और उनके साथियों के पास कौन सी सिफारिश पत्री थी?

कुरिन्थुस के पवित्र लोग उनकी सिफारिश पत्री थे, जिसे सब मनुष्य पहचानते और पढ़ते थे।

2 कुरिन्थियों 3:4-5

पौलुस और उसके साथियों को मसीह के द्वारा परमेश्वर पर क्या भरोसा था?

उनका भरोसा अपनी योग्यता पर नहीं, बल्कि परमेश्वर की ओर से प्राप्त योग्यता पर था।

2 कुरिन्थियों 3:6

उस नई वाचा का आधार क्या था जिसके तहत परमेश्वर ने पौलुस और उसके साथियों को सेवक होने के योग्य बनाया था?

नई वाचा आत्मा पर आधारित थी, जो जिलाता है, न कि शब्द, जो मारता है।

2 कुरिन्थियों 3:7

इस्राएल के लोग मूसा के मुँह पर सीधी दृष्टि क्यों नहीं कर सकते थे?

वे उसके मुँह पर सीधी दृष्टि नहीं कर सकते थे, क्योंकि उसके मुँह पर तेज था जो घटता भी जाता था।

2 कुरिन्थियों 3:9

दोषी ठहराने वाली वाचा और धर्मी ठहराने वाली वाचा में से कौन अधिक तेजोमय होगी?

धर्मी ठहरानेवाली वाचा और भी तेजोमय होगी।

2 कुरिन्थियों 3:14

इस्राएल की मति कैसे खोली जा सकती है और उनके हृदयों पर पड़ा परदा कैसे हटाया जा सकता है?

जब इस्राएल प्रभु की ओर फिरेगा तब उनकी मति खोली जाएगी और परदा हटाया जाएगा।

2 कुरिन्थियों 3:15

जब भी कभी मूसा की पुस्तक पढ़ी जाती है, तो इस्राएल के लोगों के लिए आज तक कौन सी समस्या बनी रहती है?

उनकी समस्या यह है कि वे आज भी मतिमंद हैं और उनके हृदय पर परदा पड़ा रहता है।

2 कुरिन्थियों 3:16

इस्राएल की मति कैसे खोली जा सकती है और उनके हृदयों से पर्दा कैसे हटाया जा सकता है?

जब इस्राएल प्रभु मसीह की ओर फिरेगा तो उनकी मति खुल जाएगी और उनके हृदयों से परदा उठ जाएगा।

2 कुरिन्थियों 3:17

प्रभु के आत्मा के साथ क्या मौजूद है?

जहाँ कहीं प्रभु का आत्मा है वहाँ स्वतंत्रता है।

2 कुरिन्थियों 3:18

वे सभी जो प्रभु का तेज देख रहे हैं, किसमें बदल रहे हैं?

वे उसी तेजस्वी रूप में अंश-अंश करके बदलते जाते हैं।

2 कुरिन्थियों 4:1

पौलुस और उसके साथी साहस क्यों नहीं छोड़ते?

वे साहस नहीं छोड़ते क्योंकि उन पर दया हुई और उन्हें सेवा मिली।

2 कुरिन्थियों 4:2

पौलुस और उसके साथियों ने किन मार्गों को त्याग दिया था?

उन्होंने लज्जा के गुप्त कामों को त्याग दिया, और न चतुराई से चलते, और न परमेश्वर के वचन में मिलावट करते हैं।

2 कुरिन्थियों 4:2 (#2)

पौलुस और उसके जैसे लोग परमेश्वर के सामने हर एक मनुष्य के विवेक में अपनी भलाई कैसे बैठाते हैं?

उन्होंने यह सत्य को प्रगट करके किया।

2 कुरिन्थियों 4:3

सुसमाचार पर परदा किसके लिए पड़ा है?

यह नाश होनेवालों के लिए पड़ा है।

2 कुरिन्थियों 4:4

जो नाश हो रहे हैं उनके लिए सुसमाचार पर परदा क्यों पड़ा हुआ है?

यह इसलिए पड़ा हुआ है, क्योंकि इस संसार के ईश्वर ने अविश्वासियों की बुद्धि अंधी कर दी है ताकि सुसमाचार का प्रकाश उन पर न चमके।

2 कुरिन्थियों 4:5

पौलुस और उसके साथी यीशु के बारे में और अपने विषय में क्या प्रचार करते थे?

वे मसीह यीशु को प्रचार करते हैं, कि वह प्रभु है और वे यीशु के कारण कुरिन्थियों की कलीसिया के सेवक हैं।

2 कुरिन्थियों 4:7

पौलुस और उसके साथियों के पास यह धन मिट्टी के बर्तनों में क्यों था?

उनके पास यह धन मिट्टी के बर्तनों में था ताकि यह स्पष्ट हो सके कि यह असीम सामर्थ्य उनकी ओर से नहीं वरन् परमेश्वर की ओर से है।

2 कुरिन्थियों 4:10

पौलुस और उसके साथी यीशु की मृत्यु को अपनी देह में लिए क्यों फिरते हैं?

वे यीशु की मृत्यु को अपनी देह में हर समय लिए फिरते हैं; कि यीशु का जीवन भी उनकी देह में प्रगट हो।

2 कुरिन्थियों 4:14

किसे जिलाया जाएगा, और उसके सामने उपस्थित करेगा, जिसने यीशु को जिलाया?

पौलुस और उसके साथी, साथ ही कुरिन्थ के पवित्र लोग, उस जिलाने वाले के सामने उपस्थित किए जाएँगे जिसने यीशु को जिलाया।

2 कुरिन्थियों 4:15

अनुग्रह का बहुत लोगों तक बढ़ने का परिणाम क्या होगा?

अनुग्रह बहुतों के द्वारा अधिक होकर परमेश्वर की महिमा के लिए धन्यवाद भी बढ़ाएगा।

2 कुरिन्थियों 4:16

पौलुस और उसके साथियों का साहस नहीं छोड़ने का कारण क्या था?

उनका साहस नहीं छोड़ने का कारण यह था कि उनका बाहरी मनुष्यत्व नाश हो रहा था तो भी भीतरी मनुष्यत्व दिन प्रतिदिन नया होता जाता है।

2 कुरिन्थियों 4:16–18

पौलुस और उसके साथी साहस क्यों नहीं छोड़ते?

वे साहस नहीं छोड़ते क्योंकि उनका भीतरी मनुष्यत्व दिन प्रतिदिन नया होता जाता है। इसके अलावा, पल भर का हलका सा क्लेश उनके लिए बहुत ही महत्त्वपूर्ण और अनन्त महिमा उत्पन्न करता जाता है जो किसी भी माप से परे हैं। अन्त में, वे अनदेखी वस्तुओं को देखते हैं जो सदा के लिए है।

2 कुरिन्थियों 5:1

पौलुस के अनुसार, यदि हमारा पृथ्वी पर का डेरा सरीखा घर गिराया जाएगा तो भी हमारे पास क्या होगा?

पौलुस ने कहा कि हमें परमेश्वर की ओर से एक ऐसा भवन मिलेगा जो हाथों से बना हुआ घर नहीं परन्तु चिरस्थायी है।

2 कुरिन्थियों 5:4

पौलुस ने क्यों कहा कि जब हम इस डेरे में रहते हैं, तो हम कराहते हैं?

पौलुस ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि जब हम इस डेरे में रहते हैं तो हम बोझ से दबे हुए कराहते रहते हैं और हम और पहनना चाहते हैं ताकि वह जो मरनहार है जीवन में डूब जाए।

2 कुरिन्थियों 5:5

परमेश्वर ने हमें बयाने में क्या दिया है?

परमेश्वर ने हमें बयाने में आत्मा दिया है।

2 कुरिन्थियों 5:8

क्या पौलुस देह में रहना उत्तम समझता है या प्रभु के साथ रहना?

पौलुस ने कहा, "हम देह से अलग होकर प्रभु के साथ रहना और भी उत्तम समझते हैं।"

2 कुरिन्थियों 5:9

पौलुस के मन की उमंग क्या थी?

पौलुस के मन की उमंग यह थी कि प्रभु को भाते रहें।

2 कुरिन्थियों 5:10

पौलुस ने प्रभु को भाते रहने की उमंग क्यों बनाई?

पौलुस ने इसे अपनी उमंग बनाई, क्योंकि हम सब का हाल मसीह के न्याय आसन के सामने खुल जाए, कि हर एक व्यक्ति अपने-अपने भले बुरे कामों का बदला जो उसने देह के द्वारा किए हों, पाए।

2 कुरिन्थियों 5:11

पौलुस और उसके साथी, लोगों को समझाने का प्रयास क्यों करते थे?

वे प्रभु का भय मानते थे, इसलिए वे लोगों को समझाते थे।

2 कुरिन्थियों 5:12

पौलुस ने कहा कि वे कुरिन्थुस के पवित्र लोगों के सामने अपनी बढ़ाई नहीं कर रहे थे। वे क्या कर रहे थे?

वे कुरिन्थुस के पवित्र लोगों को अपने विषय में घमण्ड करने का अवसर दे रहे थे, ताकि वे उन्हें उत्तर दे सकें, जो मन पर नहीं, वरन् दिखावटी बातों पर घमण्ड करते हैं।

2 कुरिन्थियों 5:15

चूंकि मसीह सब के लिए मरा, तो जो जीवित हैं उन्हें क्या करना चाहिए?

वे आगे को अपने लिए न जीएँ परन्तु उसके लिए जो उनके लिए मरा और फिर जी उठा।

2 कुरिन्थियों 5:16

पवित्र लोगों अब किस मानदंड के आधार पर किसी का न्याय नहीं करते हैं?

पवित्र लोग अब किसी का न्याय शरीर के अनुसार नहीं करेंगे।

2 कुरिन्थियों 5:17

जो कोई मसीह में है, वह क्या है?

वह एक नई सृष्टि है। पुरानी बातें बीत गई हैं; वे सब नई हो गई।

2 कुरिन्थियों 5:19

जब परमेश्वर मसीह में होकर अपने साथ लोगों का मेलमिलाप कर लेता है, तो परमेश्वर उनके लिए क्या करता है?

परमेश्वर उनके अपराधों का दोष उन पर नहीं लगाता और वह मेल मिलाप का वचन उन्हें सौंप देता है।

2 कुरिन्थियों 5:20

मसीह के नियुक्त राजदूतों के रूप में, पौलुस और उसके साथी कुरिन्थ वासियों से क्या निवेदन करते हैं?

वे निवेदन करते हैं कि कुरिन्थवासी मसीह की ओर से परमेश्वर के साथ मेल मिलाप कर लें!

2 कुरिन्थियों 5:21

परमेश्वर ने मसीह को हमारे पापों के लिए बलिदान क्यों किया?

परमेश्वर ने ऐसा इसलिए किया ताकि हम मसीह में होकर परमेश्वर की धार्मिकता बन जाएँ।

2 कुरिन्थियों 6:1

पौलुस और उसके साथियों ने कुरिन्थ वासियों को क्या न करने के लिए समझाया?

उन्होंने कुरिन्थ वासियों को समझाया कि परमेश्वर का जो अनुग्रह उन पर हुआ है, उसे व्यर्थ न रहने दें।

2 कुरिन्थियों 6:2

प्रसन्नता का समय कब है? उद्धार का दिन कब है?

अभी प्रसन्नता का समय है। अभी उद्धार का दिन है।

2 कुरिन्थियों 6:3

पौलुस और उसके साथी किसी बात में ठोकर खाने का अवसर क्यों नहीं देते हैं?

वे किसी बात में ठोकर खाने का कोई भी अवसर नहीं देते, ताकि उनकी सेवा पर कोई दोष न आए।

2 कुरिन्थियों 6:4

पौलुस और उसके साथियों के सद्गुणों ने क्या प्रकट किया?

उनके सद्गुणों ने यह प्रकट किया कि वे परमेश्वर के सेवक थे।

2 कुरिन्थियों 6:4–5

पौलुस और उसके साथियों ने किन-किन परिस्थितियों का सामना किया?

उन्होंने बड़े धैर्य से, क्लेश, दरिद्रता, संकट, कोड़े खाने, कैद होने, हुल्लड़, परिश्रम, जागते रहने, उपवास करने का सामना किया।

2 कुरिन्थियों 6:8

हालांकि पौलुस और उसके साथी सच्चे थे, फिर भी उन पर क्या आरोप लगाया गया था?

उन पर भरमाने वाले होने का आरोप लगाया गया था।

2 कुरिन्थियों 6:11

पौलुस कुरिन्थियों के साथ क्या साझा करना चाहता है?

पौलुस ने कहा कि उन्होंने कुरिन्थियों से खुलकर बातें की हैं, और उनका हृदय कुरिन्थियों की ओर खुला हुआ है।

2 कुरिन्थियों 6:13

पौलुस कुरिन्थियों के साथ क्या साझा करना चाहता है?

पौलुस ने कहा कि उनका हृदय कुरिन्थियों के लिए खुला है और पौलुस चाहता है कि कुरिन्थुस वासी भी उसके बदले में अपना हृदय खोल दे।

2 कुरिन्थियों 6:14–16

पौलुस किन कारणों से कुरिन्थ के पवित्र लोगों को अविश्वासियों के साथ असमान जुए में नहीं जुतने के लिए कहता है?

पौलुस निम्न कारण बताता है: धार्मिकता और अधर्म का क्या मेल जोल? या ज्योति और अंधकार की क्या संगति? मसीह का बलियाल के साथ क्या लगाव? या विश्वासी के साथ अविश्वासी का क्या नाता? मूरतों के साथ परमेश्वर के मन्दिर का क्या सम्बंध?

2 कुरिन्थियों 6:17–18

"उनके बीच में से निकलो और अलग रहो; और अशुद्ध वस्तु को मत छूओ"... प्रभु ऐसे लोगों के लिए क्या करने का कहते हैं?

प्रभु कहता है कि वह उन्हें ग्रहण करेगा और उनका पिता होगा, और वे उसके बेटे और बेटियाँ होंगे।

2 कुरिन्थियों 7:1

पौलुस के अनुसार हमें अपने आपको किससे शुद्ध करना चाहिए?

हमें अपने आपको शरीर और आत्मा की सब मलिनता से शुद्ध करना चाहिए।

2 कुरिन्थियों 7:2

पौलुस अपने और अपने साथियों के लिए कुरिन्थ के पवित्र लोगों से क्या चाहता है?

पौलुस उनसे चाहता है कि वे उन्हें "अपने हृदय में जगह" दें!

2 कुरिन्थियों 7:3-4

कुरिन्थ के पवित्र लोगों के लिए पौलुस के प्रोत्साहन के शब्द क्या थे?

पौलुस ने कुरिन्थ के पवित्र लोगों से कहा कि वे उसके और उसके साथियों के हृदय में ऐसे बस गए हैं कि ये उनके साथ मरने जीने के लिए तैयार हैं। पौलुस ने यह भी कहा कि उसे उन पर बहुत साहस है और बड़ा घमण्ड है।

2 कुरिन्थियों 7:6-7

जब पौलुस और उसके साथी मकिदुनिया आए और चारों ओर से क्लेश पा रहे थे - बाहर लड़ाइयाँ थीं और भीतर भयंकर बातें - तब परमेश्वर ने उन्हें किस प्रकार शान्ति दी?

परमेश्वर ने उन्हें तीतुस के आने से शान्ति दी, और तीतुस को कुरिन्थ वासी लोगों से मिली शान्ति की खबर से भी शांति दी। कुरिन्थ वासियों की लालसा, उनके दुःख और पौलुस के लिए उनकी धुन के समाचार से भी उसे शांति मिली।

2 कुरिन्थियों 7:8-9

पौलुस के पिछली पत्री ने कुरिन्थ के पवित्र लोगों पर क्या प्रभाव डाला?

कुरिन्थ के पवित्र लोगों ने पौलुस की पिछली पत्री के जवाब में शोक किया और उसके कारण मन फिराया।

2 कुरिन्थियों 7:9

ईश्वरीय शोक ने कुरिन्थ के पवित्र लोगों में क्या उत्पन्न किया?

शोक के कारण उन्होंने मन फिराया।

2 कुरिन्थियों 7:12

पौलुस ने ऐसा क्यों कहा कि उसने पिछला पत्र कुरिन्थ के पवित्र लोगों को लिखा?

पौलुस ने कहा कि उसने यह इसलिए लिखा ताकि कुरिन्थ के पवित्र लोगों की उत्तेजना जो पौलुस और उसके साथियों के लिए है, वह परमेश्वर के सामने उन पर प्रगट हो जाए।।

2 कुरिन्थियों 7:13

तीतुस आनंदित क्यों था?

वह आनंदित था, क्योंकि उसका जी उन सब के कारण हरा भरा हो गया था।

2 कुरिन्थियों 7:15

तीतुस का प्रेम कुरिन्थ वासियों के लिए और भी क्यों बढ़ गया?

तीतुस का कुरिन्थ वासियों के प्रति प्रेम और भी बढ़ गया जब उसने उन सबके आज्ञाकारी होने का स्मरण किया और जैसा कि उन्होंने डरते और काँपते हुए उससे भेंट की।

2 कुरिन्थियों 8:1

पौलुस कुरिन्थ के भाइयों और बहनों को क्या बताना चाहता था?

पौलुस चाहता था कि वे मकिदुनिया की कलीसियाओं पर हुए परमेश्वर के अनुग्रह को जानें।

2 कुरिन्थियों 8:2

मकिदुनिया की कलीसियाओं ने क्लेश की बड़ी परीक्षा के दौरान क्या किया जबकि वे भारी कंगालपन में थी?

उनकी उदारता बहुत बढ़ गई।

2 कुरिन्थियों 8:6

पौलुस ने तीतुस को क्या समझाया?

पौलुस ने तीतुस को समझाया कि कुरिन्थ के पवित्र लोगों के बीच में इस दान के काम को पूरा कर ले।

2 कुरिन्थियों 8:7

कुरिन्थ के विश्वासी और किन बातों में बढ़ते गए?

वे विश्वास, वचन, ज्ञान और सब प्रकार के यत्न और पौलुस के प्रति अपने प्रेम में बढ़ते गए।

2 कुरिन्थियों 8:12

पौलुस के अनुसार कौन सी बात अच्छी और ग्रहण योग्य है?

पौलुस कहता है कि कुरिन्थ वासियों के लिए मन की तैयारी होना एक अच्छी और ग्रहण योग्य बात है।

2 कुरिन्थियों 8:13-14

क्या पौलुस चाहता है कि यह कार्य इसलिए किया जाए ताकि औरों को चैन और कुरिन्थ के लोगों को क्लेश मिले?

नहीं। पौलुस ने कहा कि इस समय कुरिन्थ वासियों की बढ़ती दूसरों की घटी में काम आए, ताकि दूसरों की बढ़ती भी कुरिन्थ वासियों की घटी में काम आए, कि बराबरी हो जाए।

2 कुरिन्थियों 8:16-17

जब परमेश्वर ने तीतुस के हृदय में भी वही उत्साह डाल दिया जो पौलुस के हृदय में कुरिन्थ के लोगों के लिए था, तो उसने क्या किया?

तीतुस ने पौलुस का समझाना मान लिया वरन् बहुत उत्साही होकर वह अपनी इच्छा से कुरिन्थ के लोगों के पास आ गया।

2 कुरिन्थियों 8:20

इस उदारता के काम के विषय में पौलुस अपने काम में किस बात में चौकस रहता है?

पौलुस इस बात में चौकस रहता है कि कोई उस पर दोष न लगाने पाए।

2 कुरिन्थियों 8:24

पौलुस ने कुरिन्थ के लोगों से उन भाइयों के विषय में क्या करने के लिए कहा, जो अन्य कलीसियाओं द्वारा उनके पास भेजे गए थे।

पौलुस ने कुरिन्थ की कलीसिया से उनको अपना प्रेम और पौलुस का वह घमण्ड जो कुरिन्थियों के विषय में है, कलीसियाओं के सामने उन्हें सिद्ध करके दिखाने के लिए कहा है।

2 कुरिन्थियों 9:1

पौलुस किस विषय में कहता है कि कुरिन्थ वासियों को लिखना आवश्यक नहीं है?

पौलुस कहता है कि उस सेवा के विषय में जो पवित्र लोगों के लिए की जाती है, लिखना अवश्य नहीं है।

2 कुरिन्थियों 9:3

पौलुस ने भाइयों को कुरिन्थुस क्यों भेजा?

उसने भाइयों को भेजा ताकि कुरिन्थ के लोगों के विषय में उसका घमण्ड व्यर्थ न ठहरे, परन्तु जैसा पौलुस ने कहा वैसे ही वे तैयार रहे।

2 कुरिन्थियों 9:4-5

पौलुस ने भाइयों से यह विनती करना क्यों अवश्य समझा कि वे कुरिन्थ के पवित्र लोगों के पास जाएँ और कुरिन्थियों द्वारा पहले से वचन दिया गया फल तैयार कर रखें?

पौलुस ने यह अवश्य समझा ताकि ऐसा न हो, कि यदि कोई मकिदुनी पौलुस के साथ आए, और उन्हें तैयार न पाए, तो इस भरोसे के कारण पौलुस और उसके साथी लज्जित हों। पौलुस चाहता था कि कुरिन्थुस वासी फल के साथ तैयार रहें, जो दबाव से नहीं परन्तु उदारता के फल की तरह तैयार हो।

2 कुरिन्थियों 9:6

पौलुस यह समझाने के लिए कौन सा उदाहरण देता है कि विश्वासियों को उदारता से क्यों देना चाहिए?

पौलुस कहता है कि जो थोड़ा बोता है वह थोड़ा काटेगा भी; और जो बहुत बोता है, वह बहुत काटेगा।

2 कुरिन्थियों 9:7

हर एक जन को कैसे देना चाहिए?

एक जन जैसा मन में ठाने वैसा ही दान करे; न कुढ़-कुढ़ के, और न दबाव से या इसलिए कि जब वह दे तो उसे दुःख हो।

2 कुरिन्थियों 9:10–11

जो बोने वाले को बीज और भोजन के लिए रोटी देता है, वह कुरिन्थ के पवित्र लोगों के लिए क्या करने वाला था?

वह उन्हें बीज देगा, और उसे फलवन्त करेगा; और उनके धार्मिकता के फलों को बढ़ाएगा। वह हर बात में सब प्रकार की उदारता के लिए उन्हें धनवान करेगा।

2 कुरिन्थियों 9:13

यरूशलेम में पवित्र लोग परमेश्वर की महिमा क्यों कर रहे थे?

वे परमेश्वर की महिमा कर रहे थे, क्योंकि कुरिन्थुस वासी मसीह के सुसमाचार को मानकर उसके अधीन रहते थे, और पौलुस और उसके साथियों की, और सब की सहायता करने में उदारता प्रगट करते थे।

2 कुरिन्थियों 9:14

अन्य पवित्र लोग कुरिन्थ के पवित्र लोगों के लिए प्रार्थना करते समय उनकी लालसा क्यों करते थे?

वे उनके लिए लालसा करते थे, क्योंकि कुरिन्थियों पर परमेश्वर का बड़ा ही अनुग्रह था।

2 कुरिन्थियों 10:2

पौलुस ने कुरिन्थ के पवित्र लोगों से क्या विनती की?

पौलुस ने उनसे विनती की कि उसे उनके सामने निर्भय होकर साहस न करना पड़े।

2 कुरिन्थियों 10:2 (#2)

किस अवसर पर पौलुस ने विचार किया कि उसे साहस के साथ वीरता दिखानी पड़ेगी?

जब पौलुस उन लोगों का विरोध करेगा, जो पौलुस और उसके साथियों को शरीर के अनुसार चलने वाले समझते हैं, उनके साथ वीरता दिखाने का विचार करता है।

2 कुरिन्थियों 10:4

जब पौलुस और उसके साथी लड़ाई करते थे, तो वे किस प्रकार के हथियारों का उपयोग नहीं करते थे?

जब पौलुस और उसके साथी लड़ाई करते थे, तो वे शारीरिक हथियारों का उपयोग नहीं करते थे।

2 कुरिन्थियों 10:4 (#2)

पौलुस द्वारा उपयोग किए गए हथियारों में क्या करने की सामर्थ थी?

पौलुस द्वारा उपयोग किए गए हथियारों में गढ़ों को ढा देने वाली परमेश्वर की सामर्थ थी।

2 कुरिन्थियों 10:8

प्रभु ने पौलुस और उसके साथियों को अधिकार क्यों दिया?

प्रभु ने पौलुस और उसके साथियों को यह अधिकार कुरिन्थुस के पवित्र लोगों को बिगाड़ने के लिए नहीं पर बनाने के लिए दिया।

2 कुरिन्थियों 10:10

कुछ लोग पौलुस और उसकी पत्रियों के बारे में क्या कह रहे थे?

कुछ लोग कह रहे थे कि पौलुस की पत्रियाँ तो गम्भीर और प्रभावशाली हैं; परन्तु वह देह का निर्बल और वक्तव्य में हलका जान पड़ता है।

2 कुरिन्थियों 10:11

पौलुस ने उन लोगों से क्या कहा जिन्होंने सोचा कि वह व्यक्तित्व में अपनी पत्रियों से बहुत भिन्न था?

पौलुस ने कहा कि जो बातें उसने अनुपस्थित रहते हुए पत्र द्वारा लिखीं, वही बातें वह वहाँ कुरिन्थुस के पवित्र जनों के बीच उपस्थित होकर भी करेगा।

2 कुरिन्थियों 10:12

जो अपनी प्रशंसा करते थे, उन्होंने यह दिखाने के लिए क्या किया कि उनमें कोई अंतर्दृष्टि नहीं थी?

उन्होंने दिखाया कि उनमें कोई अंतर्दृष्टि नहीं थी, क्योंकि वे अपने आपको आपस में नाप तौलकर एक दूसरे से तुलना करते थे।

2 कुरिन्थियों 10:13

पौलुस के घमण्ड करने की सीमा क्या थी?

पौलुस ने कहा कि उनका घमण्ड उसी सीमा तक है जो परमेश्वर ने उनके लिए ठहरा दी है, यहाँ तक कि उसमें कुरिन्थुस वासी भी आ गए। पौलुस ने कहा कि वे औरों के परिश्रम पर, और औरों की सीमा के भीतर बने बनाए कामों पर घमण्ड नहीं करते।

2 कुरिन्थियों 10:15–16

पौलुस के घमंड की विशेष सीमाएँ क्या थीं?

पौलुस ने कहा कि उनका घमण्ड उसी सीमा तक है जो परमेश्वर ने उनके लिए ठहरा दी है, यहाँ तक कि उसमें कुरिन्थुस वासी भी आ गए। पौलुस ने कहा कि वे औरों के परिश्रम पर, और औरों की सीमा के भीतर बने बनाए कामों पर घमण्ड नहीं करते।

2 कुरिन्थियों 10:18

कौन ग्रहण किया जाता है?

जिसकी बड़ाई प्रभु करता है, वही ग्रहण किया जाता है।

2 कुरिन्थियों 11:2

पौलुस को कुरिन्थ वासियों के प्रति ईश्वरीय धुन क्यों थी?

वह उनके लिए ईश्वरीय धुन लगाए रहता है, क्योंकि उसने एक ही पुरुष से उनकी बात लगाई है, कि उन्हें पवित्र कुँवारी के समान मसीह को सौंप दें।

2 कुरिन्थियों 11:3

पौलुस कुरिन्थ के पवित्र लोगों के बारे में किस बात से डरता था?

पौलुस डरता था कि उनके मन उस सिधाई और पवित्रता से जो मसीह के साथ होनी चाहिए कहीं भ्रष्ट न किए जाएँ।

2 कुरिन्थियों 11:4

कुरिन्थ के पवित्र लोगों ने क्या सहन किया?

किसी का उनके पास आकर, किसी दूसरे यीशु का प्रचार करना, एक अलग सुसमाचार, जिसका प्रचार पौलुस और उसके साथियों ने नहीं किया, कुरिन्थ के पवित्र लोगों ने उसको सहन किया।

2 कुरिन्थियों 11:7

पौलुस ने कुरिन्थियों को सुसमाचार कैसे सुनाया?

पौलुस ने कुरिन्थियों को सुसमाचार सेंत-मेंत सुनाया।

2 कुरिन्थियों 11:8

पौलुस ने अन्य कलीसियाओं को कैसे "लूटा"?

उसने कलीसियाओं को "लूटा" अर्थात् उसने उनसे मजदूरी ली, ताकि कुरिन्थियों की सेवा कर सकें।

2 कुरिन्थियों 11:13

पौलुस उन लोगों का वर्णन कैसे करता है जो उन बातों में पौलुस और उसके साथियों के समान होना चाहते हैं, जिन पर वे घमण्ड करते हैं?

पौलुस ऐसे लोगों को झूठे प्रेरित, छल से काम करने वाले, और मसीह के प्रेरितों का रूप धरनेवालों के रूप में करता है।

2 कुरिन्थियों 11:14

शैतान स्वयं किसका रूप धारण करता है?

शैतान आप भी ज्योतिर्मय स्वर्गदूत का रूप धारण करता है।

2 कुरिन्थियों 11:16

पौलुस ने कुरिन्थ के पवित्र लोगों से उसे मूर्ख ही समझकर सह लेने के लिए क्यों कहा?

पौलुस ने उनसे कहा कि वे उसे मुर्ख ही समझकर उसकी सह ले, ताकि थोड़ा सा घमण्ड वह भी कर सकें।

2 कुरिन्थियों 11:19–20

पौलुस के अनुसार कुरिन्थ के पवित्र लोग किसकी आनंद से सह लेते हैं?

पौलुस ने कहा कि वे आनन्द से मूर्खों की सह लेते हैं। क्योंकि जब उन्हें कोई दास बना लेता है, या खा जाता है, या फँसा लेता है, या अपने आपको बड़ा बनाता है, या उनके मुँह पर थप्पड़ मारता है, तो वे सह लेते हो।

2 कुरिन्थियों 11:22–23

पौलुस का घमण्ड किन बातों में उसकी तुलना उन लोगों से करता है जो उन्हीं बातों में घमण्ड करना चाहते थे जिनमें पौलुस ने किया?

पौलुस ने घमण्ड किया कि वह एक इब्रानी, एक इस्राएली और अब्राहम का वंशज था, ठीक वैसे ही जैसे वे लोग जो पौलुस के समान होने का दावा करते थे। पौलुस ने कहा कि वह उनसे भी बढ़कर मसीह का सेवक था – अधिक परिश्रम करने में, बार बार कैद होने में, कोड़े खाने में, और बार बार मृत्यु के जोखिमों में।

2 कुरिन्थियों 11:24–26

पौलुस ने कौन-कौन से विशिष्ट खतरों का सामना किया?

पाँच बार पौलुस ने यहूदियों के हाथ से "उनतालीस कोड़े" खाए। तीन बार उसने बेंतें खाई। एक बार पथराव किया गया। तीन बार उसके जहाज टूट गए। एक रात दिन उसने समुद्र में काटा। वह बार बार यात्राओं में; नदियों के जोखिमों में; डाकुओं के जोखिमों में; अपने जातिवालों से जोखिमों में; अन्यजातियों से जोखिमों में; नगरों में के जोखिमों में; जंगल के जोखिमों में; समुद्र के जोखिमों में; झूठे भाइयों के बीच जोखिमों में रहा।

2 कुरिन्थियों 11:29

पौलुस के अनुसार, किस कारण से उसका जी दुःखता है?

एक दूसरे के पाप में गिरने से पौलुस का जी दुःखता है।

2 कुरिन्थियों 11:30

यदि पौलुस को घमंड करना अवश्य है, तो वह किस बात पर घमंड करेगा?

पौलुस ने कहा कि यदि घमण्ड करना अवश्य है तो वह अपनी निर्बलताओं की बातों पर घमण्ड करेगा।

2 कुरिन्थियों 11:32

दमिश्क में पौलुस को किस खतरे का सामना करना पड़ा?

दमिश्क के राज्यपाल ने पौलुस को पकड़ने के लिए नगर पर पहरा बैठा रखा था।

2 कुरिन्थियों 12:1

पौलुस किस विषय में अब घमण्ड करने की बात कहता है?

पौलुस ने कहा कि वह प्रभु के दिए हुए दर्शनों और प्रकाशनों पर घमण्ड करेगा।

2 कुरिन्थियों 12:2

14 वर्ष पहले मसीह में उस मनुष्य के साथ क्या हुआ था?

वह तीसरे स्वर्ग तक उठा लिया गया।

2 कुरिन्थियों 12:6

पौलुस क्यों कहता है कि यदि वह घमण्ड करना चाहे भी तो मुर्ख न होएगा?

पौलुस ने कहा कि यदि वह घमण्ड करना चाहे भी तो मुर्खता नहीं होगी, क्योंकि वह सच बोलेगा।

2 कुरिन्थियों 12:7

पौलुस को फूलने से बचाने के लिए क्या किया गया?

पौलुस के शरीर में एक काँटा चुभाया गया अर्थात् शैतान का एक दूत जो उसे परेशान करें।

2 कुरिन्थियों 12:9

जब पौलुस ने प्रभु से अपने शरीर के काँटे को हटाने के लिए प्रार्थना की, तो प्रभु ने पौलुस से क्या कहा?

प्रभु ने पौलुस से कहा, "मेरा अनुग्रह तेरे लिए बहुत है; क्योंकि मेरी सामर्थ्य निर्बलता में सिद्ध होती है।"

2 कुरिन्थियों 12:9 (#2)

पौलुस ने क्यों कहा कि अपनी निर्बलता पर घमण्ड करना बेहतर है?

पौलुस ने कहा कि यह बेहतर है ताकि मसीह की सामर्थ्य उस पर छाया करती रहे।

2 कुरिन्थियों 12:12

कुरिन्थियों के बीच पूरे धैर्य के साथ क्या किया गया था?

प्रेरित के लक्षण उनके बीच सब प्रकार के धीरज सहित चिन्हों, और अद्‌भुत कामों, और सामर्थ्य के कामों से दिखाए गए।

2 कुरिन्थियों 12:14

पौलुस ने कुरिन्थियों से क्यों कहा कि वह उन पर भार न रखेगा?

पौलुस ने उनको यह प्रगट करने के लिए कहा कि वह उनकी संपत्ति नहीं वरन् उन्हीं को चाहता है।

2 कुरिन्थियों 12:15

पौलुस ने कुरिन्थ के पवित्र लोगों के लिए आनंद से क्या करने की बात कही है?

पौलुस ने कहा कि वह उनकी आत्माओं के लिए बहुत आनंद से खर्च करेगा वरन् आप भी खर्च हो जाएगा।

2 कुरिन्थियों 12:19

पौलुस ने कुरिन्थ के पवित्र लोगों से ये सारी बातें किस उद्देश्य से कहीं?

पौलुस ने कुरिन्थ के पवित्र लोगों को ये सब बातें उनकी उन्नति के लिए कही।

2 कुरिन्थियों 12:20

जब पौलुस कुरिन्थ के पवित्र लोगों के पास वापस आएगा तो उसे क्या मिलने का डर था?

पौलुस को यह डर था कि कहीं उनमें उसे झगड़ा, डाह, क्रोध, विरोध, ईर्ष्या, चुगली, अभिमान और बखेड़े न मिलें।

2 कुरिन्थियों 12:21

पौलुस को परमेश्वर द्वारा उसके साथ क्या करने का डर था?

पौलुस को डर था कि परमेश्वर कुरिन्थ के पवित्र लोगों के सामने उसे अपमानित न कर दे।

2 कुरिन्थियों 12:21 (#2)

पौलुस को ऐसा क्यों लगता है कि वह उन कई कुरिन्थ वासी लोगों के लिए शोक कर सकता है जिन्होंने पहले पाप किया था?

पौलुस को यह डर था कि कहीं उन्होंने उस गंदे काम, और व्यभिचार, और लुचपन से, जो उन्होंने पहले किया था, मन नहीं फिराया।

2 कुरिन्थियों 13:1–2

2 कुरिन्थियों की पत्री लिखे जाने के समय तक पौलुस कितनी बार कुरिन्थ के पवित्र लोगों के पास आ चुका था?

2 कुरिन्थियों के लिखे जाने के समय तक पौलुस पहले ही दो बार उनके पास आ चुका था।

2 कुरिन्थियों 13:3

पौलुस ने कुरिन्थ के उन पवित्र लोगों से जिन्होंने पाप किया था और बाकी सभी लोगों से क्यों कहा कि यदि वह फिर आएगा तो उन्हें नहीं छोड़ेगा?

पौलुस ने उन्हें यह इसलिए कहा, क्योंकि कुरिन्थ के पवित्र जन इस बात का प्रमाण चाहते थे कि मसीह पौलुस में बोलता है।

2 कुरिन्थियों 13:5

पौलुस ने कुरिन्थ के पवित्र जनों से स्वयं को परखने और जाँचने के लिए क्यों कहा?

पौलुस ने उनसे कहा कि वे अपने आपको परखे और जाँचे कि वे विश्वास में हैं या नहीं।

2 कुरिन्थियों 13:6

पौलुस को किस बात का विश्वास था कि कुरिन्थ के पवित्र जन पौलुस और उसके साथियों के बारे में जान लेंगे?

पौलुस को विश्वास था कि कुरिन्थ के पवित्र जन यह जान लेंगे कि वे निकम्मे नहीं है, बल्कि परमेश्वर द्वारा अनुमोदित हैं।

2 कुरिन्थियों 13:8

पौलुस ने अनुसार, वह और उसके साथी क्या नहीं कर सकते थे?

पौलुस ने कहा कि वे सत्य के विरोध में कुछ नहीं कर सकते थे।

2 कुरिन्थियों 13:10

पौलुस ने कुरिन्थ के पवित्र लोगों को ये बातें क्यों लिखीं, जबकि वह उनसे दूर था?

पौलुस ने ऐसा इसलिए किया ताकि जब वह उनके साथ हों, तो उसे उनके प्रति कड़ाई से कुछ करना न पड़े।

2 कुरिन्थियों 13:10 (#2)

पौलुस कुरिन्थ के पवित्र लोगों के संबंध में प्रभु द्वारा दिए गए अधिकार का उपयोग कैसे करना चाहता था?

पौलुस अपने अधिकार का उपयोग बिगाड़ने के लिए नहीं पर बनाने के लिए करना चाहता था।

2 कुरिन्थियों 13:11–12

अंत में, पौलुस कुरिन्थियों से क्या चाहता था?

पौलुस चाहता था कि वे आनन्दित रहें, सिद्ध बनते जाएँ, एक ही मन रखें, और मेल से रहे और एक-दूसरे को पवित्र चुम्बन से नमस्कार करें।

2 कुरिन्थियों 13:14

पौलुस क्या चाहता है कि सभी कुरिन्थ वासियों के साथ रहे?

पौलुस चाहता था कि प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह और परमेश्वर का प्रेम और पवित्र आत्मा की सहभागिता उन सब के साथ होती रहे।